साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 3 | अंक : 19 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 15 से 21 दिसम्बर 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

रेत का अवैध उत्खनन मामले में १ करोड़ ३५ लाख रुपए का माल जप्त

मुर्दाडा घाट पर दवनीवाड़ा पुलिस की कार्रवाई : ६ आरोपीयो पर मामला दर्ज

बुलंद गोंदिया - जिला पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले द्वारा जिले में चल रहे रेती घाट के अवैध उत्खनन पर लगाम लगाने के लिए दिए गए कड़े निर्देश के अनुसार गोंदिया पुलिस विभाग द्वारा 15 दिनों के अंदर ही दो बड़ी कार्रवाई कर करोड़ों रुपए का माल जप्त किया गया। इसी के तहत 14 दिसंबर की मध्य रात्रि में दौरान दवनीवाड़ा पुलिस द्वारा वैनगंगा नदी के मुर्दाडा रेती घाट पर कार्रवाई कर एक करोड़ 35 लाख 15 हजार का माल जप्त कर 6 आरोपियों पर मामला दर्ज किया।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में वर्तमान समय में रेती घाटों की नीलामी शासन द्वारा अब तक नहीं किया गया है। जिसके चलते बड़े पैमाने पर रेती घाटों से अवैध उत्खनन किया जा रहा है। जिस पर लगाम लगाने के लिए जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले द्वारा पुलिस प्रशासन को कड़े निर्देश दिए हैं। जिसके चलते 14 दिसंबर की मध्य रात्रि में वैनगंगा नदी के किनारे आने वाले मुर्दाडा रेती घाट पर अनाधिकृत रुप से बिना मंजूरी के बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन की जानकारी मिलते ही मध्य रात्रि 12.30 से 2.30 के दौरान पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर के दिशा निर्देशों व मार्गदर्शन में उपविभागीय पोलीस अधिकारी तिरोड़ा प्रमोद मडामें के नेतृत्व में दवनीवाड़ा पुलिस के पथक

द्वारा अनाधिकृत रुप से बिना शासन की मंजूरी अवैध उत्खनन करने वाले आरोपियों पर छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई में दो पोकलेंड मशीन एक टिप्पर पांच ब्रास रेती सहित एक करोड़ 35 लाख 15 हजार का माल जप्त किया। जिसमें टिपर क्रमांक एमएच 35 एएच 9292 चालक राजू मनोहर डहारे (37) नि.खुर्शीपार, त.खैरलांजी, जि.बालाघाट यह अवैध रुप से रेती का परिवहन करता हुआ पाया गया। तथा पीले रंग की हुंडई रोलेक्स पोकलैंड मशीन चालक घनश्याम कन्हैयालाल डहाके (36) तहसील खैरलांजी, जिला बालाघाट, एक नीले रंग की एसके 210 एचडीसीएल पोकलैंड मशीन चालक मनोज सुमिरन यादव (23) दादरी कला त.बहरी, जिला सिंधी, पाए गए। जिन्हें मशीन सहित हिरासत में लिया गया। तथा टिप्पर क्रमांक एमएच 35 एएच 9292 टिप्पर मालिक का नाम अज्ञात, पीले रंग की 210-7 कंपनी पोकलेंड मशीन मालक आरोपी का नाम अज्ञात। एक्सएसके एचडीएलसी नीले रंग की पोकलेंड मशीन मालक आरोपी अज्ञात इस प्रकार 6 आरोपियों पर वैनगंगा नदी के मुर्दा मुर्दाडा रेती घाट से शासन के राजस्व की चोरी करते हुए अवैध रुप से उत्खनन करने का मामला दवनीवाड़ा पुलिस थाने में दर्ज किया गया। आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा 379, 109 के तहत मामला दर्ज करते हुए आरोपियों के पास से 1,35,15,000 व अवैध रुप से जमा की गई रेती संग्रहण जप्त किया तथा आरोपी क्रमांक 1 से 3 को हिरासत में लेकर शेष तीन आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले के आदेशानुसार अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर के मार्गदर्शन में उपविभागीय पोलीस अधिकारी तिरोड़ा प्रमोद मडामें के नेतृत्व में दवनीवाड़ा पुलिस थाने के निरीक्षक राहुल पाटिल पो हवा भूरे, बघेले, पोशि हर्षे, पोशि शेंद्रे द्वारा की गई।

शासकीय मेडिकल कॉलेज में ४० घंटे से बंद था डायलिसिस यूनिट

पूर्व विधायक फुके के फोन से सेवा पूर्ववत शुरु

पूर्व पार्षद लोकेश यादव ने कहा, तुरंत एक्शन - धन्यवाद फुके दादा

बुलंद गोंदिया - शासकीय मेडिकल कॉलेज का पिछले 40 घंटे से बंद पड़ा डायलिसिस सिस्टम सिर्फ एक फोन कॉल से शुरु हो गया। इस सिस्टम के त्वरित होने पर पूर्व पार्षद लोकेश यादव ने क्षेत्र के पूर्व विधायक डॉ. परिणय फुके का धन्यवाद माना।

गौरतलब है कि किडनी की बीमारी, रक्त के मामलों पर जरुरतमंद मरीजो को डायलिसिस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। परंतु सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं केटीएस जिला अस्पताल में डायलिसिस मशीने बैटरी बैकअप सिस्टम न होने से पिछले 40 घंटे से बंद पड़ी थी। जब ये मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म गोंदिया विधानसभा ग्रुप के माध्यम से सामने आया तो, पूर्व पार्षद एवं इस ग्रुप के सक्रिय सदस्य लोकेश (कल्लू) यादव ने त्वरित कदम उठाते हुए सीधे शासकीय मेडिकल कॉलेज की दौड़ लगाई और हालात का जायजा लिया।

उस दौरान उन्होंने डॉ. परिणय फुके को फोन लगाया और सारी वस्तुस्थिति उनके समक्ष रखी। फुके ने शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन व जिला शल्य चिकित्सक व वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर तत्काल डायलिसिस मशीने शुरु करने की बात की। फुके के फोन के बाद आनन-फानन में बंद 5 डायलिसिस सिस्टम को शुरु किया गया। फुके के फोन के बाद डायलिसिस मशीन के बैटरी बैकअप की व्यवस्था नागपुर की जगह गोंदिया में ही पर्यायी व्यवस्था कराने के आदेश दिए। इस दौरान फुके के प्रतिनिधि अभय अग्रवाल भी उपस्थित थे। इस बंद सिस्टम के शुरु होने पर पूर्व पार्षद लोकेश (कल्लू) यादव ने फुके को लिखा - तुरंत एक्शन, धन्यवाद दादा।

पोकलेंड मशीन धसी गड्ढे में

गटर योजना निर्माण कार्य में बड़ी लापरवाही

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर की शुरु भूमिगत गटर योजना अपने शुरुआती कार्य के दौरान से ही समस्या व विवाद का कारण बनी हुई है। इसके चलते शहर के नागरिक काफी परेशान हो चुके हैं किंतु अब निर्माण कार्य में लगी कंपनी के लापरवाही का मामला सामने आया है। 10 दिसंबर की शाम 5 बजे के दौरान बाहेकर नर्सिंग होम से मामा चौक के बीच गटर लाइन के निर्माण कार्य के दौरान गड्ढे खुदई का कार्य कर रही पोकलैंड मशीन ही गटर लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में समा गई व पलट गई। जिससे कार्य में लगे कामगार बाल बाल बचे व किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। किंतु इस प्रकार का मामला घटित होने से कार्य में लगे मजदूरों की ही जान पर संकट निर्माण हो गया था।

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व गटर लाइन के लिए खोदे गए गड्ढों में शहर के नागरिक गिरकर जख्मी हो रहे हैं वह आए दिन वाहन गटर लाइन के गड्ढे में समा रहे हैं। इस मामले में जागरुक नागरिकों द्वारा बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद संबंधित एजेंसी, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के अधिकारी व गटर निर्माण का कार्य कर रही लक्ष्मी सिविल कंस्ट्रक्शन कोल्हापुर के अधिकारी व कर्मचारी इस और निरंतर लापरवाही बरत रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी शिकायत किए जाने के बावजूद कार्य की गुणवत्ता में सुधार नहीं हो पा रहा है। जिससे उपरोक्त कार्यप्रणाली पर विभिन्न सवालिया निशान लग रहे हैं।

सड़क हादसे में मृत को न्याय दिलाने के लिए देर रात को बीच सड़क पर सोकर विधायक विनोद अग्रवाल ने किया आंदोलन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के समीप बसे ग्राम खमारी के नागरिक राजेश लिल्हारे को टीपर ने टक्कर मारी, जिससे घटनास्थल पर ही उस व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक ठेकेदार के मिलीभगत से मृतक के परिवार को इस घटना की जानकारी न देते हुए डेथ बॉडी को लेकर चले गए ऐसी जानकारी प्राप्त हुई। साथ ही गाँव के नागरिको द्वारा यह भी जानकारी मिली की मृतक की पत्नी गर्भवती है। इस घटना की सुचना मिलते ही विधायक विनोद अग्रवाल ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए देर रात में बीच सड़क पर सोकर जनता के साथ आंदोलन की भूमिका ली। साथ ही पोलीस की कर्मचारीयो द्वारा डेथ बॉडी ले जाने की संदिग्धता की जानकारी मिलने से विधायक विनोद अग्रवाल ने भड़ककर पोलीसकर्मीयो को डेथ बॉडी लाकर देने के लिए कहा। साथ ही जब

तक मृतक के परिवार को मुआवजा नही मिल जाता और न्याय नही मिल जाता तब तक यह न्याय आंदोलन सुरु रहेगा ऐसी भी जानकारी दी। इस घटना के कसूरदार और ठेकदार के ऊपर सदस्य मनुष्य के कानूनी कलम के तहत गुन्हा दाखल कर कार्यवाही की जाए ऐसी मांग भी विधायक विनोद अग्रवाल ने प्रशासन से की है।

विगत अनेक दिनों से कछुआ गती से आमगांव-खमारी मार्ग का निर्माण कार्य शुरु हैं और इस मार्ग पर अनेक हादसे हो चुके है। इस बारे में विधायक विनोद अग्रवाल ने अनेक बार देश के सडक व परिवहन मंत्री नितिनजी गडकरी से भेट लेकर चर्चा की। साथ ही संबधित अधिकारी और ठेकदार से भी अनेक बार मार्ग का निर्माण कार्य जल्दी हो, ऐसी अनेक बार मांग की। परंतु अभी तक प्रशासन ने इस बात की सुध नही ली और इसी वजह से 5 बेकसूरों को बेवजह मौत के घाट उतरना पड़ी अनेक बार ठेकेदार की शिकायत भी विधायक विनोद अग्रवाल की गई है परंतु अभी तक किसी भी प्रकार की कार्यवाही ठेकेदार पर नही की गई ऐसी जानकारी विधायक विनोद अग्रवाल ने दी है।

मृतक के परिवार को सांत्वना भेट देकर विधायक विनोद अग्रवाल ने 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद की साथ ही केंद्रीय मंत्री नितीनजी गडकरी से चर्चा कर उन्हें सरकार से आर्थिक मदद दिलाने के लिए तत्पर रहने का आश्वासन भी विधायक विनोद अग्रवाल ने दिया. ठेकेदार की अनेक बार विधायक विनोद अग्रवाल ने शिकायत की परंतु प्रशासन की संगमत से किसी भी प्रकार की कार्यवाही ठेकेदार पर नही की गई और सडक का निर्माण हो रहा है। विधायक विनोद अग्रवाल ने की है और लिल्हारे परिवार के इस दुःख की घडी में उनके साथ हूँ ऐसा भी कहा। इस अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल, सभापती मुनेश रहांगडाले, पंचायत समिती सदस्य कनीराम तावाड़े, सरपंच होमेंद्र भांडारकर, शेखर वाढवे, रंजित गायधने, बाबा नागपुरे, सुरेश मचाड़े, प्रल्हाद बनोटे, व इत्यादी कार्यकर्तृता इस अवसर पर उपस्थित थे।

सारस के लिए विद्युत तार बन रहे काल

एक की मौत : जिले में सारस संवर्धन पर लग रहा प्रश्नचिन्ह

बुलंद गोंदिया - महाराष्ट्र व संपूर्ण देश में गोंदिया जिले की पहचान प्रेम के प्रतीक सारस के पंछी के रुप में होने लगी थी जिसके लिए शासन द्वारा प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए की निधि खर्च की जा रही है। लेकिन अब ऐसा लगता है कि सारस संवर्धन सिर्फ कागजों पर ही दिखाई दे रहा है। आए दिन अनेक सारस पंछी के मौत के मामले सामने आ रहे हैं। जिससे उनकी बढ़ती संख्या पर लगाम लगने के साथ ही सरसों की संख्या में कमी हो रही है। इसी प्रकार का एक मामला 10 दिसंबर शनिवार को शाम 5 बजे के दौरान सामने आया। जिसमें आमगांव तहसील के घाटटेमनी निवासी रिधीराम मेन्ढे के खेत परिसर में एक सारस पंछी की विद्युत प्रवाह की चपेट में आकर मौत हो गई। आमगांव घाटटेमनी के सारस मित्र बबलू चुटे, डॉ. कैलाश हेमने, मधूसुदन डोये, उपसरपंच रामचंद ठाकरे, मुकेश कोरे

ने जानकारी दी व बताया कि दुर्लभ, प्रेम के प्रतीक सारस का जोड़ा उपरोक्त परिसर में हमेशा दिखाई देता था किंतु वे असुरक्षित हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि जिले में सारस पंछी के साथ-साथ बड़ी संख्या में प्रवासी विदेशी पंछी भी यहां आते हैं जिसके चलते पंछी प्रेमी उनके दर्शन व शोध के लिए भी बड़ी संख्या में गोंदिया जिले में आते हैं। किंतु गत कुछ समय से विद्युत करंट लगने, शिकार, जहरीला खाद्य पदार्थ आदि के चलते पंछियों की मौत हो रही है। प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए खर्च किए जाने के बावजूद भी सारस व अन्य पंछियों के संवर्धन पर सवालिया निशान लग रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 3 वर्षों में आठ सारस की मौत हो चुकी है जिसमें दासगांव में 2, डागोरली में 1, परसवाड़ा में 1, पांजरा में 1, कामठा में 2, व आज घाटटेमनी में 1 की मौत हुई है। गत कुछ दिनों पूर्व ही एक सारस की मौत परसवाड़ा में विद्युत करंट लगने से हुई थी।

ट्रैक चेकिंग के दौरान पुलिस सिपाही विजय नशीनें की ट्रेन की टक्कर से मौत

वंदे भारत ट्रेन शुरु होने के पूर्व नक्सल क्षेत्रा में कर रहे थे पेट्रोलिंग

बुलंद संवाददाता दर्रेकसा - बिलासपुर से नागपुर के बीच 11 दिसंबर को हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागपुर से झंडी दिखाकर किया जाएगा। इसके पूर्व गोंदिया जिले के दुर्गम नक्सल क्षेत्र से होकर गुजरने वाली रेल लाइन पर पेट्रोलिंग व जांच का कार्य गोंदिया पुलिस दल के बम शोधक दल व स्वान पथक टीम द्वारा की जा रही थी। इसी दौरान शनिवार 10 दिसंबर को दोपहर 12 बजे के करीब जब दर्रेकसा के टोयागोंदी के समीप पोल क्रमांक 948/33 के पास रेल लाइन के किनारे दल जांच करते हुए जा रहा था, इसी दौरान डोंगरगढ़ से गोंदिया की ओर आ रही दरभंगा

एक्सप्रेस की चपेट में आकर बम शोधक दल के जवान विजय नंदकिशोर नशीनें (45) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा वे कार्य के दौरान शहीद हो गए।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीडीडीएस (बम शोध दल) में कार्यरत पुलिस सिपाही विजय नशीनें बक्कल नंबर 124 सालेकसा अंतर्गत आने वाले दर्रेकसा से गुजरने वाली रेलवे पटरियों का निरीक्षण कर छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ रहे थे, इसी दौरान यह हादसा घटित हुआ है। सिपाही विजय नशीनें यह गोंदिया के मनोहर चौक निवासी थे। इस घटना की जानकारी मिलते ही परिसर में शोक निर्माण हो गया व देर शाम उनकी अंत्येष्टि गोंदिया के मोक्षधाम में की गई।

संपादकिय

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद

कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच सीमा विवाद को लेकर हलचल तेज होती जा रही हैं। खास बात है कि इस विवाद को लेकर दोनों तरफ भाषा से जुड़े इस विवाद से लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। दोनों राज्यों के बीच सीमा पर स्थित कुछ गांवों को लेकर विवाद उस समय से है, जब ये दोनों राज्य अस्तित्व में भी नहीं आए थे।

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले की अगुवाई में महा विकास आघाड़ी में शामिल दलों (एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना) के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर कहा कि कर्नाटक और महाराष्ट्र के सीमावर्ती जिले बेलगावी की घटनाओं को देखते हुए केंद्र तत्काल दखल दे। पिछले दिनों उस इलाके से महाराष्ट्र के वाहनों पर पथराव और तोड़फोड़ की खबरें आईं, जिससे महाराष्ट्र में खास तौर पर चिंता है। दरअसल, दोनों राज्यों के बीच सीमा पर स्थित कुछ गांवों को लेकर विवाद तभी से है, जब ये दोनों राज्य अस्तित्व में भी नहीं आए थे।

1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम पारित होने के वक्त ही ये मतभेद उभर आए थे। तब से अलग-अलग स्तरों पर इसे सुलझाने की कोशिशें चलती रही हैं, लेकिन उनका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। इस बीच कर्नाटक ने 2012 में बेलगावी में विधानसभा भवन का उद्घाटन कर दिया। इसके बाद से वहां विधानसभा का शीतकालीन सत्र होने लगा। लिहाजा हर साल ठंड में किसी न किसी रुप में यह मसला गरमा जाता है। इस बार भी कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के इस बयान ने सबका ध्यान खींचा कि महाराष्ट्र की सीमावर्ती जट तहसील की पंचायतों ने प्रस्ताव पारित कर कर्नाटक में मिलने की इच्छा जताई है। तत्काल महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बयान जारी कर इसका खंडन किया और कहा कि महाराष्ट्र का एक भी गांव कर्नाटक में नहीं जाएगा। मगर यह बयान राज्य के राजनीतिक तापमान को कम करने में सफल नहीं हो सका।

इसमें दो राय नहीं कि सीमा के दोनों तरफ भाषा से जुड़े इस विवाद से लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। यही वजह है कि समय-समय पर राजनेता इसका इस्तेमाल करने में नहीं हिचकते। इस बार भी संयोग कहिए या कुछ और कि मामला तब भड़का है, जब कर्नाटक विधानसभा चुनाव करीब आ गए हैं। महाराष्ट्र में तत्काल विधानसभा चुनाव भले ही न हों, लेकिन जिस तरह से सत्तारुढ़ शिवसेना में दोफाड़ होने के बाद नई सरकार बनी, उसके बाद दोनों धड़ों में खुद को असली शिवसेना दिखाने की होड़ लगी हुई है। महाराष्ट्र से जुड़े सवालों पर खुद को ज्यादा निष्ठावान और दूसरे को संदिग्ध बताना भी इस होड़ का हिस्सा है। ऐसे माहौल में स्वाभाविक ही यह विवाद ज्यादा संवेदनशील हो जाता है। मगर इससे समस्या को सुलझाने में कोई मदद नहीं मिलती। निश्चित रुप से यह एक जटिल मसला है।

इसका तत्काल कोई सर्वमान्य हल निकलना मुश्किल है। लेकिन जब भी निकलेगा शांति और सौहार्द के माहौल में उदारता और लचीलेपन के साथ ही निकलेगा। इसलिए पहली जरुरत यह है कि राजनीति अपने संकीर्ण स्वार्थ के लिए इसका इस्तेमाल बंद कर दे। राहत की बात है कि केंद्र सहित दोनों राज्यों में बीजेपी सत्ता में है। इसलिए तालमेल बनाए रखना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा। विपक्ष को आश्वस्त करके शांति और व्यवस्था बनाए रखते हुए ही यह सोचा जा सकता है कि दीर्घकालिक हल का सर्वमान्य फॉर्म्युला कैसे निकाला जाए..?

राष्ट्रीय विजय दिवस

विजय दिवस 16 दिसम्बर को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है। इस युद्ध के अंत के बाद 93000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था। साल 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को करारी परास्त किया, जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र हो गया, जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के हृदय में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ।

देश भर में 16 दिसम्बर को विजय दिवस के रुप में मनाया जाता है। वर्ष 1971 के युद्ध में करीब 3900 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे, जबकि 9851 घायल हो गए थे। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी बलों के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी ने भारत के पूर्वी सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीतसिंह अरोड़ा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था, जिसके बाद 17 दिसंबर को 93000 पाकिस्तानी सैनिकों को युद्धबंदी बनाया गया।

घटना क्रम

युद्ध की पृष्ठभूमि साल 1971 की शुरुआत से ही बनने लगी थी। पाकिस्तान के सैनिक तानाशाह याहिया ख़ां ने 25 मार्च 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की जन भावनाओं को सैनिक ताकत से कुचलने का आदेश दे दिया। इसके बाद शेख़ मुजीब को गिरफ्तार कर लिया गया। तब वहां से कई शरणार्थी लगातार भारत आने लगे।

जब भारत में पाकिस्तानी सेना के दुर्व्यवहार की खबरें आईं, तब भारत पर यह दबाव पड़ने लगा कि वह वहाँ पर सेना के जरिए हस्तक्षेप करे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी चाहती थीं कि अप्रैल में आक्रमण किया जाए। इस बारे में इंदिरा गांधी ने थल सेनाध्यक्ष जनरल मानेकशॉ की राय ली।

तब भारत के पास सिर्फ़ एक पर्वतीय डिवीजन था। इस डिवीजन के पास पुल बनाने की क्षमता नहीं थी। तब मानसून भी दस्तक देने ही वाला था। ऐसे समय में पूर्वी पाकिस्तान में प्रवेश करना मुसीबत मोल लेने जैसा था। मानेकशॉ ने सियासी दबाव में झुके बिना प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से स्पष्ट कह दिया कि वे पूरी तैयारी के साथ ही युद्ध के मैदान में उतरना चाहते हैं।

3 दिसंबर, 1971 को इंदिरा गांधी तत्कालीन कलकत्ता में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। इसी दिन शाम के वक्त पाकिस्तानी वायुसेना के विमानों ने भारतीय वायुसीमा को पार करके पठानकोट, श्रीनगर, अमृतसर, जोधपुर, आगरा आदि सैनिक हवाई अड्डों पर बम गिराना शुरु कर दिया। इंदिरा गांधी ने उसी वक्त दिल्ली लौटकर मंत्रिमंडल की आपात बैठक की।

युद्ध शुरु होने के बाद पूर्व में तेज़ी से आगे बढ़ते हुए भारतीय सेना ने जेसोर और खुलना पर कब्ज़ा कर लिया। भारतीय सेना की रणनीति थी कि अहम ठिकानों को छोड़ते हुए पहले आगे बढ़ा जाए। युद्ध में मानेकशॉ खुलना और चटगांव पर ही कब्ज़ा करने पर ज़ोर देते रहे। ढाका पर कब्ज़ा करने का लक्ष्य भारतीय सेना के सामने रखा ही नहीं गया।

14 दिसंबर को भारतीय सेना ने एक गुप्त संदेश को पकड़ा कि दोपहर ग्यारह बजे ढाका के गवर्नमेंट हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है, जिसमें पाकिस्तानी प्रशासन बड़े अधिकारी भाग लेने वाले हैं। भारतीय सेना ने तय किया कि इसी समय उस भवन पर बम गिराए जाएं। बैठक के दौरान ही मिग 21 विमानों ने भवन पर बम गिरा कर मुख्य हॉल की छत उड़ा दी। गवर्नर मलिक ने लगभग कांपते हाथों से अपना इस्तीफ़ा लिखा।

16 दिसंबर की सुबह जनरल जैकब को मानेकशॉ का संदेश मिला कि आत्मसमर्पण की तैयारी के लिए तुरंत ढाका पहुंचें। जैकब की हालत बिगड़ रही थी। नियाज़ी के पास ढाका में 26400 सैनिक थे, जबकि भारत के पास सिर्फ़ 3000 सैनिक और वे भी ढाका से 30 किलोमीटर दूर।

भारतीय सेना ने युद्ध पर पूरी तरह से अपनी पकड़ बना ली। अरोड़ा अपने दलबल समेत एक दो घंटे में ढाका लैंड करने वाले थे और युद्ध विराम भी जल्द समाप्त होने वाला था। जैकब के हाथ में कुछ भी नहीं था। जैकब जब नियाज़ी के कमरे में घुसे तो वहां सन्नाटा छाया हुआ था। आत्म-समर्पण का दस्तावेज़ मेज़ पर रखा हुआ था।

शाम के साढ़े चार बजे जनरल अरोड़ा हेलिकॉप्टर से ढाका हवाई अड्डे पर उतरे। अरोड़ा और नियाज़ी एक मेज़ के सामने बैठे और दोनों ने आत्म-समर्पण के दस्तवेज़ पर हस्ताक्षर किए। नियाज़ी ने अपने बिल्ले उतारे और अपना रिवॉल्वर जनरल अरोड़ा के हवाले कर दिया। नियाज़ी की आंखों में एक बार फिर आंसू आ गए।

अंधेरा घिरने के बाद स्थानीय लोग नियाज़ी की हत्या पर उतारु नजर आ रहे थे। भारतीय सेना के वरिष्ठ अफसरों ने नियाज़ी के चारों तरफ़ एक सुरक्षित घेरा बना दिया। बाद में नियाजी को बाहर निकाला गया।

इंदिरा गांधी संसद भवन के अपने दफ्तर में एक टीवी इंटरव्यू दे रही थीं। तभी जनरल मानेकशॉ ने उन्हें बांग्लादेश में मिली शानदार जीत की ख़बर दी।

इंदिरा गांधी ने लोकसभा में शोर-शराबे के बीच घोषणा की कि युद्ध में भारत को विजय मिली है। इंदिरा गांधी के बयान के बाद पूरा सदन जश्न में डूब गया। इस ऐतिहासिक जीत को खुशी आज भी हर देशवासी के मन को उमंग से भर देती है।

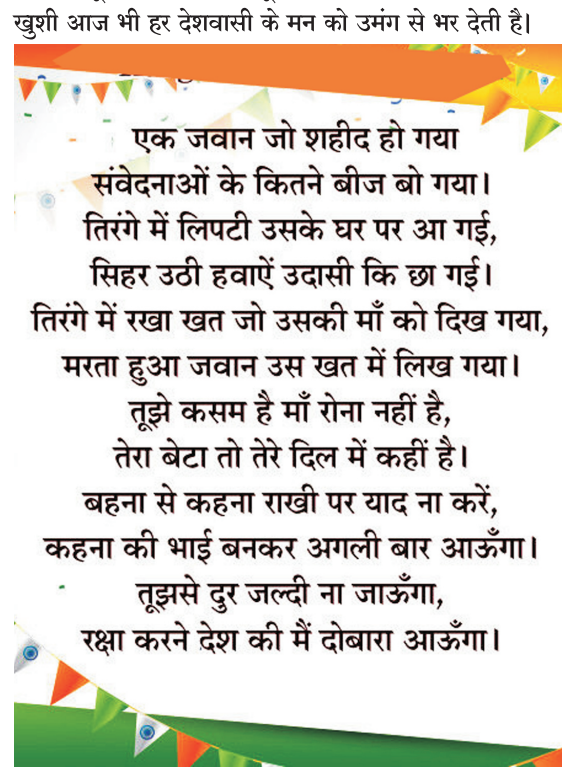

अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस

अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच एकजुटता के महत्व को बताने के लिए, गरीबी पर अंकुश लगाना और विकासशील देशों में मानव और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है। संयुक्त राष्ट्र ने 22 दिसंबर 2005 को यह दिवस मनाने की घोषणा की थी। अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस को विश्व एकजुटता कोष और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो दुनिया भर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। एक व्यक्ति या तो शिक्षा में योगदान देकर या गरीबों या शारीरिक या मानसिक रुप से अक्षम लोगों की मदद करके दिन में भाग ले सकता है या मना सकता है। इसके माध्यम से सरकारों को सतत विकास लक्ष्य के गरीबी और अन्य सामाजिक बाधाओं का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रत्येक वर्ष 20 दिसम्बर को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने एकता का संदेश देने के लिए 20 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस घोषित किया है।

20 दिसंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस संयुक्त राष्ट्र का एक अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक एकता दिवस है और इसके सदस्य राष्ट्रों ने 2005 विश्व शिखर सम्मेलन के दौरान आम सभा द्वारा पेश किया। इसकी स्थापना 22 दिसंबर 2005 को संकल्प 60/209 द्वारा की गई थी। इसका मुख्य लक्ष्य संबद्ध देशों को गरीबी को कम करने के लिए गरीबों के सार्वभौमिक मूल्यों को पहचानना और स्वतंत्र राज्यों द्वारा हस्ताक्षरित के रुप में इसके प्रतिरुपों को तैयार करना है। विश्व एकजुटता निधि और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का एक हिस्सा है, जो दुनिया भर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केंद्रित है।

अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस का उद्देश्य है लोगों को विविधता में एकता का महत्व बताते हुए जागरुकता फैलाना हैं। दुनिया के विभिन्न देश इस दिन अपनी जनता के बीच शांति, भाईचारा, प्यार, सौहार्द और एकता के संदेश का प्रसार करते हैं। हेल्प1 मेन रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट ने भारतीयों को एकता के सूत्र में बांधने की पहल की है। यह संस्था हमेशा से देश में शांति, एकता और भाईचारे की भावना के प्रसार के लिए बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती रही है।

एकता किसे कहते है?

संगठन ही सभी शक्तियों की जड़ है, एकता के बल पर ही अनेक राष्ट्रों का निर्माण हुआ है, प्रत्येक वर्ग में एकता के बिना देश कदापि उन्नति नहीं कर सकता। एकता में महान शक्ति है। एकता के बल पर बलवान शत्रु को भी पराजित किया जा सकता है।

राष्ट्रीय एकता का मतलब ही होता है, राष्ट्र के सब घटकों में भिन्न-भिन्न विचारों और विभिन्न आस्थाओं के होते हुए भी आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे का बना रहना। राष्ट्रीय एकता में केवल शारीरिक समीपता ही महत्वपूर्ण नहीं होती बल्कि उसमें मानसिक, बौद्धिक, वैचारिक और भावात्मक निकटता की समानता आवश्यक है।

विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस

अंतरराष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस (International Minorities Rights Day) विश्वभर में प्रत्येक वर्ष 18 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिवस प्रति वर्ष 18 दिसंबर 1992 से सयुंक्त राष्ट्र संघ द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा, राष्ट्र निर्माण में योगदान के रुप में चित्रित कर अल्पसंख्यकों के क्षेत्र विशेष में ही उनकी भाषा, जाति, धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि की सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु मनाया जाता है।

अल्पसंख्यक का अर्थ

संयुक्त राष्ट्र के एक विशेष प्रतिवेदक फ्रेंसिस्को कॉपोटोर्टी ने एक वैश्विक परिभाषा दी, जिसके अनुसार- किसी राष्ट्र-राज्य में रहने वाले ऐसे समुदाय जो संख्या में कम हों और सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक रुप से कमज़ोर हों एवं जिनकी प्रजाति, धर्म, भाषा आदि बहुसंख्यकों से अलग होते हुए भी राष्ट्र के निर्माण, विकास, एकता, संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय भाषा को बनाये रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हों, तो ऐसे समुदायों को उस राष्ट्र-राज्य में अल्पसंख्यक माना जाना चाहिए।

शुरुआत एवं उद्देश्य

अंतरराष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस की शुरुआत 18 दिसंबर 1992 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक घोषणा से हुई थी। भारत में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय अल्पसंख्यकों से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है तथा अल्पसंख्यक समुदाय के हितों के लिए समग्र नीति के निर्माण, इनकी आयोजना, समन्यव, मूल्यांकन तथा नियामक रुपरेखा तथा नियामक विकास कार्यक्रमों की समीक्षा भी करता है। मंत्रालय के लक्ष्य में अल्पसंख्यकों का विकास करना शामिल है। भारत में अल्पसंख्यकों के विकास और संवृद्धि के लिए अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय निम्नलिखित कार्यों को सुनिश्चित कर रहा है-

- शिक्षा का अधिकार
- संवैधानिक अधिकार
- आर्थिक सशक्तिकरण
- महिलाओं का सशक्तिकरण
- समान अवसर
- कानूनन सुरक्षा और संरक्षण
- कीमती परिसम्पत्तियों की सुरक्षा जैसे कि वक्फ़ परिसम्पतियां
- आयोजना प्रक्रिया में सहभागिता

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

भारत के संविधान में अल्पसंख्यक होने का आधार धर्म और भाषा को माना गया है। भारत की कुल जनसंख्या का अनुमानत 19 प्रतिशत अल्पसंख्यक समुदायों का है। इसमें मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और पारसी शामिल हैं। जैन, बहाई और यहूदी अल्पसंख्यक तो हैं, लेकिन इन्हें संबंधित संवैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं हैं।

भारत सरकार ने अल्पसंख्यक अधिकारों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 1978 में अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया था। इसे बाद में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम-1992 के तहत कानून के रुप में 1992 में पारित किया गया।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को वर्ष 2006 जनवरी में यूपीए सरकार ने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अधीन कर दिय। इसे वे सारे संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं, जो दीवानी अदालतों को हैं। पूरे यूरोप के किसी भी राष्ट्र में ऐसा कोई आयोग नहीं है।

देश की राजनीति पर कितना असर डालेंगे गुजरात, हिमाचल के नतीजे?

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावों पर देश भर की नजरें टिकी हुई थीं। इस चुनाव परिणाम से साल 2024 के आम चुनाव का नैरेटिव भी सेट होने की बात कही जा रही थी। इस लिहाज से गुजरात में बीजेपी को मिली जीत काफी अहम है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत ने यह दर्शाया है कि यदि स्थानीय मुद्दे पर फोकस रहें तो पीएम चेहरा भी आपकी नाकामी नहीं छुपा सकता है।

कहने को भले ये दो राज्यों के विधानसभा चुनाव थे, लेकिन जिस तरह से इन पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई थीं, उससे पहले दिन से साफ था कि ये उससे कहीं ज्यादा हैं। इन चुनाव नतीजों से 2024 के लोकसभा चुनावों का नैरेटिव बनने की बात कही जा रही थी। उस लिहाज से निस्संदेह गुजरात में बीजेपी को मिली जीत बहुत बड़ी है। पिछले यानी 2017 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी को कांग्रेस ने कड़ी टक्कर दी थी। तब 268 विधायकों वाली विधानसभा में उसे 99 सीटें आई थीं, जो सरकार गठन के लिए आवश्यक संख्या (95) से मात्र चार ज्यादा थीं। स्वाभाविक रुप से माना जा रहा था कि अगर कांग्रेस थोड़ा और जोर लगा दे या बीजेपी थोड़ी सी लापरवाही दिखा दे तो चुनाव में उलटफेर हो सकता है। लेकिन न तो कांग्रेस ज्यादा जोर लगा पाई और न ही बीजेपी ने कोई चूक दिखाई।

नतीजा यह कि राज्य में 1985 में माधव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में बना 149 सीटों का रेकॉर्ड इस बार बीजेपी के हाथों टूट गया। हालांकि हिमाचल प्रदेश में हर पांच साल पर सरकार बदलने का रिवाज

बना रहा, जिससे कांग्रेस की थोड़ी-बहुत लाज रह गई। इससे कम से कम कहने को उसे यह सहूलियत मिल गई कि स्कोर एक-एक का है। लेकिन इन चुनाव नतीजों से जो बड़ा संदेश निकला वह यही है कि चुनावी राजनीति में कांग्रेस को अगर सचमुच मुकाबले में रहना है तो उसे अपने तौर-तरीके बदलने पड़ेंगे। गुजरात में उसकी सीटों की संख्या ऐतिहासिक रुप से नीचे हो गई है, इससे भी बड़ी बात यह है कि वहां कांग्रेस लड़ती हुई दिखी भी नहीं।

भले ही भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी लंबी लड़ाई लड़ने की तैयारी दिखा रहे हों, इससे चुनावी लड़ाई के मोर्चे पर पार्टी की गैरहाजिरी की भरपाई नहीं होती। इसी बिंदु पर यह बात गौर करने लायक है कि आम आदमी पार्टी की एंट्री से गुजरात चुनावों में विपक्ष का एक नैरेटिव बनता हुआ दिखा। पार्टी सीटों के मामले में भले ही अपेक्षा से बहुत पीछे छूट गई हो, लेकिन बिजली, पानी, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मसलों पर बेहतर गवर्नेंस का वादा करते हुए और मोरबी पुल हादसे के बहाने भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाते हुए उसने विपक्ष का एक वैकल्पिक नैरेटिव तैयार किया।

पिछले चुनावों में उसकी कमी दिख रही थी। इसके साथ ही आप एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। यानी विपक्षी खेमे में अब उसका अपना एक स्थान है। इस या उस पार्टी का वोट काटने वाली पार्टी के रुप में उसका उल्लेख अब उपयुक्त नहीं माना जा सकेगा। खुद आम आदमी पार्टी भी अगर इस तथ्य का ख्याल रखे और अपनी आलोचनाओं की धार विपक्षी खेमे की किसी पार्टी के बजाय सत्ताधारी पार्टी की ओर मोड़े तो इन विधानसभा चुनावों से विपक्षी राजनीति में तालमेल का एक नया सिलसिला शुरु हो सकता है, जिससे विपक्षी एकजुटता की मजबूत जमीन तैयार हो सकती है।

खसरा रुबेला नियंत्रण के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष टीकाकरण अभियान

बुलंद गोंदिया - मुंबई शहर और राज्य के कुछ जिलों में खसरे के वायरस का संक्रमण बढ़ रहा है। लिहाजा गोंदिया जिले का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। . इस संबंध में रोकथाम के उपाय शुरु कर दिए गए हैं, इस महामारी को फैलने से रोकने के लिए बच्चों के टीकाकरण को प्राथमिकता दी जाए, घर-घर सर्वे किया जाए, कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे इसका ध्यान रखा जाए.जिलाधिकारी नैयना गुंडे ने निर्देश दिए हैं कि सरकारी के साथ-साथ निजी स्वास्थ्य संस्थानों को खसरे के संदिग्ध मरीजों की तत्काल सूचना देना अनिवार्य है।

जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल ने सभी विभागों को मिलकर खसरे की महामारी पर लगाम लगाने के निर्देश दिए हैं. स्कूल विभाग बच्चों में बुखार, शरीर पर लाल चकत्ते, आंखें लाल होना और खसरे के लक्षण दिखने पर स्वास्थ्य व्यवस्था को अवगत कराएं साथ ही महिला एवं बाल विकास अंतर्गत आंगनबाड़ी में खसरे के लक्षण दिखने वाले बच्चों की सूचना स्वास्थ्य विभाग को दें। आशा सेविका या स्वास्थ्य कार्यकर्ता को दिया जाए।

वर्तमान में जिले में खसरे के विषाणु के संक्रमण का प्रकोप नहीं है। जनस्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार खसरा-रुबेला विषाणु के संक्रमण की पृष्ठभूमि में विशेष टीकाकरण कराने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। तदनुसार 09 दिसम्बर से 13 दिसम्बर तक संस्थागत स्तर पर आशा सेविका एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर खसरा-रुबेला टीकाकरण से वंचित बच्चों की तलाशी अभियान चलाकर उक्त बच्चों की सूची तैयार की जायेगी। उसके बाद डॉ. नितिन वानखेड़े ने बताया है कि उक्त बच्चों को 15 दिसंबर से 25 दिसंबर तक विशेष टीकाकरण अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थान में टीका लगाया जाएगा. उक्त अभियान के तहत खसरा-रुबेला एवं ए-विटामिन की मात्रा दी जाएगी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ने अभिभावकों से अपील की कि वे नियमित टीकाकरण सत्र में अपने बच्चों को न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन (पीसीवी) दें, जो षनिमोनियाष और अन्य न्यूमोकोकल बीमारियों से बचाता है।

बुखार, शरीर पर लाल दाने, लाल आंखें खसरे के लक्षण हैं।खसरे के वायरस के शरीर में प्रवेश करने के सात से दस दिन बाद लक्षण दिखाई देने लगते हैं। शुरुआत में बुखार और खांसी, जुकाम, आंखें लाल होना एक-दो या तीनों लक्षण हो सकते हैं। दो-चार दिन बाद सारे शरीर पर दाने निकलकर कान के पीछे, चेहरे, छाती, पेट तक फैल जाते हैं। इस अवसर पर अपर जिला स्वास्थ्य अधिकारी, अपर जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि इसलिए समय रहते सावधानी बरतकर संभावित खतरों से बचा जा सकता है।

खसरे के रोगी के शरीर में ए-विटामिन की मात्रा कम हो जाती है। विटामिन ए की कमी से रोगी को नेत्र रोग तथा अतिसार, निमोनिया, दिमागी बुखार जैसे रोग हो सकते हैं। जिला शल्य चिकित्सक ने कहा कि यदि खसरे के रोगी को लगातार दो दिनों तक विटामिन ए की मात्रा दी जाए तो इस रोग के होने की संभावना कम हो जाती है। अमरीश मोहबे ने इस मौके पर जानकारी दी है। खसरे से बचाव के लिए टीकाकरण एक प्रभावी उपाय है और टीका हर सरकारी अस्पताल में उपलब्ध है। यदि टीकाकरण अनुसूची के अनुसार टीकाकरण किया जाए तो खसरे को रोका जा सकता है। जिन बच्चों को खसराध्रुबेला का टीका नहीं लगाया गया है, उन्हें अवश्य ही टीका लगवाना चाहिए।

नियमित टीकाकरण से खसरा को रोका जा सकता है। टीके की पहली खुराक 9 महीने से 12 महीने के बीच और दूसरी खुराक 16 से 24 महीने की उम्र के बीच दी जाती है। खसरे के लक्षण पाये जाने पर तत्काल अपने नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सम्पर्क कर चिकित्सक से परामर्श लें अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश सुतार ने किया।

जिले में वर्तमान टीकाकरण की स्थिति-

जिले में एमआर1 टीकाकरण की 12640 खुराक, एमआर2 टीकाकरण की 10554 खुराक, विटामिन-ए की 11921 पहली खुराक, विटामिन-ए की 5000 पांचवीं खुराक, विटामिन-ए की 5144 नौवीं खुराक का संरक्षण किया गया है।

विद्यालय के लिए एक दिन सभी विभाग प्रमुख इस उपक्रम में हो शामिल - मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल

बुलंद गोंदिया - स्कूली शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जिले में दप्तरमुक्त शाला अभियान चलाया गया। इस अभियान का अगला चरण अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा वन-डे स्कूल विजिट है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों से अपील की है कि वे इस अभियान में भाग लें और छात्रों को अपने विभाग के बारे में जानकारी दें और जानें कि वे प्रशासन से क्या उम्मीद करते हैं. उन्होंने इस संबंध में सभी विभाग प्रमुखों को पत्र लिखा है।

नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के तहत प्रत्येक बच्चे से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने की अपेक्षा की जाती है। यहां तक कि कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के शैक्षणिक नुकसान की भरपाई करना मुश्किल है, छात्रों को स्कूल वापस लाना अत्यावश्यक है। कोविड की स्थिति ठीक होने के बाद बच्चे स्कूल की मुख्य धारा से जुड़ गए हैं और लगातार गुणवत्ता सुधार का पाठ ले रहे हैं। स्कूली शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए दप्तमुक्त शाला अभियान चलाया गया। इस अभियान का अगला चरण अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा वन-डे स्कूल विजिट है।

उक्त गतिविधि का उद्देश्य छात्रों के दैनिक जीवन में उनके जीवन कौशल को बढ़ाने के लिए उपयोगी कौशल विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर छात्रों के पेशेवर जीवन को सार्थक बनाना है। बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण करना, छात्रों के अव्यक्त गुणों को स्थान देना, सीखो और कमाओ की कहावत का प्रयोग कर छात्रों के लिए स्वरोजगार का निर्माण करना, ताकि उनमें व्यवहार और कौशल का समावेश हो, और देखने की अवधारणा से है विश्वास करना और करके सीखना, यह क्रिया सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को करनी चाहिए।

पत्र में कहा गया है कि जिला गोंदिया के सभी विभागाध्यक्ष स्कूल का दौरा करें और अपने अधिकार क्षेत्र के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को श्दप्तमुक्त शालाश की गतिविधि के बारे में सूचित करें कि किसी भी दिन गांव, तहसील, शनिवार को स्कूल के लिए एक दिन के तहत जिले में स्कूल का दौरा करें। सरकार प्रशासन कई कल्याणकारी योजनाओं और गतिविधियों को लागू करता है। इन गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी यदि विद्यार्थियों को उनके स्कूली जीवन से मिल जाए तो उनका सरकार प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ेगा। इस हेतु अपने विभाग के अधीन होने वाले कार्यों की जानकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को होनी चाहिए। अपने विभाग के बारे में पूरी जानकारी छात्रों को देनी चाहिए। यह जानकारी देते समय बहुत ही सरल भाषा में और ऐसे रुप में दी जानी चाहिए जिसे छात्र आसानी से समझ सकें। जटिल आँकड़ों से बचें। यदि इसे गाथागीत, बच्चों के नाटक, गीत या खेल के रुप में प्रस्तुत किया जाए तो यह बच्चों के लिए अधिक प्रभावी होगा।

इसके साथ ही आपको यह भी जानना चाहिए कि छात्र और नागरिक आपके विभाग से क्या अपेक्षा रखते हैं। इस कारण एक दिन विद्यालय का भ्रमण अवश्य करना चाहिए।

नाट्यगृह का अधूरा निर्माण कार्य ३ माह में करे पूर्ण

पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के अनुरोध पर सुधारित प्रशासकीय मान्यता देकर मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने दिए आदेश

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के रेलटोली परिसर में निर्माणाधीन नाट्यगृह निधि की कमी के चलते अधूरा था जिसे पूर्ण करने के लिए पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल द्वारा राज्य के सांस्कृतिक कार्य मंत्री सुधीर मुनगंटीवार से अनुरोध किया था। जिसके चलते मंत्री द्वारा इस मामले में सभा आयोजित कर अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिए 23.53 करोड रुपए की सुधारित प्रशासकीय मान्यता को मंजूरी देने का आदेश विभाग के प्रधान सचिव को दिए तथा 3 माह में निर्माण कार्य पूर्ण कर नागरिकों के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

आयोजित सभा में इस संदर्भ में सांस्कृतिक कार्य विभाग के उपसचिव विलास थोरात ने जानकारी देते हुए बताया कि तत्कालीन विधायक गोपालदास अग्रवाल के अनुरोध पर गोंदिया नगर परिषद के माध्यम से आधुनिक नाट्य ग्रह के निर्माण कार्य को वर्ष 2012 में मंजूरी दी थी। किंतु सुधारित प्रशासकीय मान्यता के अभाव में वर्ष 2019 से योजना का कार्य ठप हो गया था। जिसका निर्माण का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है किंतु निधि की कमी होने के चलते उपरोक्त कार्य पूर्ण नहीं हो पाया तथा फिलहाल नागरिकों के उपयोग में नहीं आ रहा है। नाट्यगृह का निर्माण पूर्ण करने और लगने वाली निधि की तत्काल व्यवस्था करने की मांग पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने की थी जिसके फलस्वरुप राज्य के सांस्कृतिक कार्य मंत्री सुधीर मुनगंटीवार द्वारा तत्काल सुधारित प्रशासकीय मान्यता को मंजूरी देने के निर्देश मंत्रालय के अधिकारियों को दिए तथा मंजूरी प्राप्त होते ही अधूरे नाट्यगृह का निर्माण कार्य 3 माह के अंदर पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। आयोजित सभा में योजना के इंजिनियर प्रभु, नगर परिषद गोंदिया के मुख्य अधिकारी करण चौहान व सांस्कृतिक कार्य विभाग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

190 साल का जोनाथन बना दुनिया का सबसे बूढ़ा जानवर

क्या आप बता सकते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा जीने वाला जानवर कौन है? सही कहा, कछुआ। कछुए 100 साल से भी ज्यादा जीते हैं। लेकिन क्या आप दुनिया के सबसे बूढ़े कछुए को जानते हैं? अगर नहीं, तो आपको जोनाथन के बारे में पता होना चाहिए। क्योंकि इस कछुए ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का एक और टाइटल अपने नाम कर लिया है। दरअसल, इस साल जोनाथन अपना 190वां जन्मदिन मना रहा है। मतलब, अब वो दुनिया का सबसे उम्रदराज कछुआ है। बता दें, इससे पहले यह रिकॉर्ड तुई मलीला कछुए के नाम था, जो करीब 188 साल जिया था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, जोनाथन का जन्म 1832 में हुआ था, जो 2022 में 190 साल का हो रहा है। जोनाथन को साल 1882 में सेशेल्स से साउथ एटलांटिक आईलैंड सेंट हेलेना में लाया गया। उसके साथ 3 अन्य कछुए भी थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मुताबिक, जोनाथन उस वक्त पूरी तरह से वयस्क था, और कछुए के लिए पूरी तरह से वयस्क होने का मतलब है कि उसकी उम्र 50 साल होगी।

1930 में सेंट हेलेना के गवर्नर स्पेंसर डेविस ने जोनाथन को उसका नाम दिया था। बता दें, जोनाथन ने अपना अधिकांश जीवन गवर्नर के घर पर ही बिताया है, जहां वह तीन अन्य विशाल कछुओं की कंपनी का लुत्फ उठाता है। वैसे जोनाथन को इंसानों का साथ भी काफी रास आता है।

जॉनाथन के पैदा होने के बाद से दुनिया में कंप्यूटर आया है, कमर्शियल फ्लाइट्स आई हैं, पहला स्काई स्क्रेपर (1885) बना, आइफिल टावर बना (1887), दुनिया की पहली इंसानी फोटोग्राफ ली गई (1838) और ऐसी ही कई खोज हुईं।

जोनाथन को धूप सेंकना पसंद है। लेकिन गर्म के दिनों में वह छांव में रहता है। खाने में पत्ता गोभी, खीरा, गाजर, सेब, केला, सलाद पत्ता और मौसम के अन्य फल उसके फेवरेट हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र के कारण जोनाथन को कम दिखता है। सूंघने की शक्ति भी चली गई है। लेकिन वो अच्छे सुन सकता है।

हेल्थ इज वेल्थ पर एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस आफ इंडिया का सेमिनार

जीवन जीने के आधुनिक तरीके बताएंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

बुलंद गोंदिया - हेल्थ इज वेल्थ पर एसोसिएशन आफ फिजिशियंस आफ इंडिया विदर्भ चौप्टर, आईएमए, गोंदिया एजुकेशन सोसायटी, लायंस क्लब गोंदिया, सांस्कृतिक महिला मंडल व अन्य सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वधान में एनएमडी कॉलेज गोंदिया के ऑडिटोरियम में 18 दिसंबर रविवार को दोपहर 3 से 5 बजे तक सेमिनार आयोजित किया गया है। जिसमें नागरिकों को अपने जीवन को स्वस्थ व चुस्त-दुरुस्त बनाने व हाइपरटेंशन को नियंत्रण रखने, डायबिटीज से बचने व आधुनिक जीवन शैली से होने वाली बीमारियां कैंसर आदि के संदर्भ में मार्गदर्शन व सलाह विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल द्वारा दिया जाएगा।

आयोजित कार्यक्रम में डॉ. दीपक बाहेकर अध्यक्ष एसोसिएशन आफ फिजीशन ऑफ इंडिया विदर्भ चौप्टर, डॉ. शंकर खोबरागडे एमडी मेडिसिन नागपुर, डॉ. एस. एम. पाटील वरिष्ठ फिजीशियन नागपुर, डॉ. पी. के. देशपांडे वरिष्ठ फिजीशियन, डॉ. एल. एल. बजाज, श्रीमती डॉ.

अपूर्वा कोलते, डॉ. अमित जायसवाल, डॉ. अनुराग बाहेकर, डॉ. सौरभ मेश्राम, डॉ.गार्गी बाहेकर व डॉ.अक्षत अग्रवाल का पैनल आयोजित सेमिनार में उपस्थित नागरिकों के प्रश्नों का समाधान करेंगे साथ ही बेसिक लाइफ सपोर्ट पर क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉक्टर जितेंद्र गुप्ता व डॉ लक्ष्मी गुप्ता व्याख्यान देंगे।

आयोजित शिविर में अधिक से अधिक नागरिक व युवा इसका लाभ ले ऐसी अपील डॉ. दीपक बाहेकर द्वारा की गई है।

एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार का जन्म दिवस मनाया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस ने

बुलंद गोंदिया - राष्ट्रवादी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस भवन रेलटोली गोंदिया में शहर राष्ट्रवादी कांग्रेश द्वारा केक काटकर व शासकीय जिला चिकित्सालय व महिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण कर मनाया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने अपने संबोधन में कहा कि शरद पवार का समर्पण व दूर दृष्टि समाज के हितों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा देते हैं तथा उनके मार्गदर्शन व सलाह से ही वह आगे का कार्य कर रहे हैं। ईश्वर उनको लंबी उम्र व उत्तम स्वास्थ्य देवें तथा सांसद प्रफुल पटेल के विकास कार्य सर्व सामान्य जनता तक पहुंचा कर राष्ट्रवादी कांग्रेस को मजबूत करने का दृढ़ संकल्प जन्म दिवस के अवसर पर सभी द्वारा लिया।

जन्म दिवस के अवसर पर शासकीय जिला चिकित्सालय व महिला चिकित्सालय में सांसद प्रफुल पटेल व पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस द्वारा मरीजों को फल वितरण किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र जैन, अशोक सहारे, मनोहर वालदे, सुनील भालेराव, विनित सहारे, राजू एन जैन, केतन तुरकर, अधिष्ठता डॉ.घोरपड़े कटरे, खालिद

पठाण, आशा पाटील, सुशीला भालेराव, कुंदा दोनोडे, मानवती बैस, लता रहागडाले, सोनल मेश्राम, चंद्रकुमार चुटे, एकनाथ वहिले, मामा बनसोड, टी.एम, पटले, विनायक शर्मा, राज शुक्ला, सौरभ रोकडे, दीपक कनोजे महेश करियार, हरबक्ष गुरणानी, सुनील भजे, राजेश परीहार, राहूल वालदे, दिलीप पाटील, रौनक ठाकूर, कपिल बावानथडे कुणाल बावानथडे, प्रशांत मेश्राम, पंकज चौधरी, शेखर चामट, प्रदीप मदनकर, लव माटे, रोहित लारोकार, अविनाश महावत, नागो सरकार, पंकज गजभिए, राकेश नेवारे, दर्पण वानखेडे, रिषभ मिश्रा, अशीष बले, कुंभलवार जी, शेखर मंडिया, विनय पटले, योगी येडे, नरेंद्र बेलगे, शरभ मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, कर्मचारी व नागरिक उपस्थित थे।

लॉन से निकलने वाले जूठन खाद्य पदार्थ परिसर के नागरिकों के स्वास्थ्य पर खतरा

गणेश नगर परिसर में प्रीतम लॉन परिसर में गंदगी का आलम

बुलंद गोंदिया - नगर परिषद सीमा अंतर्गत आने वाले सभी लॉन संचालकों द्वारा लान से निकलने वाली गंदगी का नियोजन स्वयं करना होता है किंतु गणेश नगर परिषद फुलचूर मार्ग स्थित प्रीतम लॉन से निकलने वाली जूठन व गंदगी के चलते मवेशियों का जमघट लगा रहने के साथ ही परिसर के नागरिकों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडराने लगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फुलचूर मार्ग स्थित प्रीतम लॉन में किसी भी प्रकार का आयोजन होने के पश्चात बचा हुआ खाद्य पदार्थ व जूठन गणेश नगर परिसर स्थित मार्ग पर बेतरतीब तरीके से फेंका जाता है।

जिसके चलते मार्गो पर दिनभर जूठा व नालियों में गंदगी जमा हो जाने के चलते संक्रमण फैलने की संभावना बनी हुई है। इसके साथ ही जूठा भोजन के चलते मवेशियों का भी जमघट लगा रहता है किंतु लॉन संचालक द्वारा इस और अनदेखी की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि नगर परिषद के नियमानुसार किसी भी सभागृह लॉन संचालक को आयोजन के पश्चात निकलने वाली गंदगी व जूठन को स्वयं ही उचित तरीके से नियोजन करना होता है किंतु शहर के अधिकांश लॉन संचालक व सभागृह संचालको द्वारा इन नियमों की अनदेखी की जा रही है। जिसके चलते कार्यक्रम के पश्चात जूठन व गंदगी को परिसर में ही फेंक दिया जाता है। इस कारण संबंधित क्षेत्र में गंदगी व संक्रमण का खतरा हमेशा बना हुआ रहता है। इसी प्रकार का नजारा हाल ही में प्रीतम लॉन के पीछे स्थित गणेश नगर मार्ग पर दिखाई दिया जहां लॉन से निकला हुआ गंदगी व बचा हुआ खाद्य पदार्थ मार्गो व नालियों में डाला गया है।

जुर्माना व सील होने की कार्रवाई

लॉन व सभागृह में किसी भी प्रकार का आयोजन होने पर निकलने वाली गंदगी लॉन संचालक को ही नष्ट करवाना होता है यदि उसके द्वारा नष्ट नहीं किया जाता है तो नगर परिषद को स्वच्छता की राशि देकर गदगी को नष्ट करना होता है। किंतु शहर में इस प्रकार का मामला कम ही देखने को मिलता है तथा लॉन या सभागृह के परिसर में यदि गंदगी पाई जाती है तो 500 से 5000 तक का जुर्माना लिया जा सकता है। तथा इसके साथ ही यदि बार-बार इस प्रकार की शिकायत सामने आती है तो संबंधित लॉन या सभागृह को नगर परिषद द्वारा सील किए जाने की कार्रवाई की जाती है। लकिन शहर में अब तक इस प्रकार की कार्रवाई नगर परिषद प्रशासन द्वारा नहीं की गई है जिसके चलते लॉन व सभागृह के संचालकों के हौसले बुलंद हो रखे हैं तथा परिसर में ही गंदगी फैला रहे हैं।

कार्यवाही की जाएगी

लॉन या सभागृह में कार्यक्रम के पश्चात गंदगी फेंकी जाती है तो उस पर नगर परिषद द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

- मुकेश शेंद्रे, स्वास्थ्य निरीक्षक नप गोंदिया

भारत की प्रगति की प्रतीक वन्दे भारत एक्सप्रेस

गोंदिया को मिली इस सौगात के लिए प्रधानमंत्री का गोंदियावासियो की ओर से आभार - विधायक अग्रवाल

बुलंद गोंदिया - वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन नागपुर-रायपुर-बिलासपुर के मध्य चलेगी और दोनों राज्यों के लोगों को तेज कनेक्टिविटी के साथ कम समय में आरामदायक यात्रा का अनुभव कराएगी। वंदे भारत एक्सप्रेस नागपुर और बिलासपुर इन दो प्रमुख शहरों के बीच की दूरी कम करने के साथ-साथ मध्य भारत में व्यापारी संभावना बढ़ाएगी और रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगी। गोंदिया को बिलासपूर, रायपूर एवं नागपूर से न्यूनतम समय में जोडने एवं आरामदायी यात्रा का प्रबंध करने के लिये प्रधानमंत्री को गोंदियावासियो का हृदयपूर्वक धन्यवाद। नागपुर से गोंदिया रेलवे स्टेशन में प्रथम आगमन पर स्टेशन स्टाफ, गणमान्य नागरिको व कार्यकर्ताओं के साथ ट्रेन स्टाफ और ड्राइवर का स्वागत व अभिनंदन कर बिलासपुर की ओर प्रस्थान करने हेतु हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया।

महापुरुषों के अपमान पर बसपा आक्रामक चंद्रकांत पाटील माफी मांगे बीएसपी का राज्यपाल को ज्ञापन

बुलंद गोंदिया - प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील द्वारा महापुरुषों के सन्दर्भ में किये गए वक्तव्यों से बहुजन समाज आहत एवं आक्रोशित हैं। पाटील ने तत्काल बहुजनों की माफी मांगकर नैतिकता के आधार पर अपने मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए या फिर राज्यपाल ने कार्यवाही कर उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर देना चाहिए। ऐसी संतप्त प्रतिक्रिया गोंदिया जिला बसपा के शिष्टमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर दी हैं। बसपा ने निवेदन में कहा कि, महाराष्ट्र केवल फुले शाहू अम्बेडकर कर्मवीर पाटील के अनवरत प्रयासों से शिक्षित एवं प्रगतिशील हुआ है। बहुजनों को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए अथक परिश्रम इन महापुरुषों ने किये। लेकिन केवल वैचारिक अज्ञानता के चलते तथा बहुजनों के खिलाफ मन में भरे हुए तिरस्कार के चलते चंद्रकांत पाटील ने ऐसा विकृत मानसिकता का वक्तव्य किया। इसलिए ऐसे विकृत मानसिकता के मंत्री के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए महामहिम राज्यपाल ने पाटील को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए। शिष्टमंडल में बसपा के प्रदेश सचिव विलास राऊत, पंकज वासनिक, दिनेश गेडाम, छोटू बोरकर, अनिल मौर्य, पंकज नागदेवे, मोहसीन खान, अशोक काम्बले, प्रवीण काम्बले, सौरभ सावनकर, भुवन ठवरे इत्यादि प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

संत लहरी बाबा का जन्म शताब्दी समारोह पर

माड़े और जोशी की जोड़ी ने बिखेरा संगीत का जादू

बुलंद गोंदिया - संत श्री लहरी आश्रम संस्थान, कामठा (मध्यकाशी) के प्रांगण में आयोजित संगीत रजनी कार्यक्रम में वैशाली माड़े (रियलिटी शो सारेगामा की विजेता) और जसराज जोशी की जोड़ी ने अपनी गायन प्रस्तुति से 15 हजार से अधिक दर्शकों पर जादू बिखेरा। यह कार्यक्रम परम पूज्य संत श्री जयरामदास उर्फ बाबा के जन्म शताब्दी समारोह के एक भाग के रुप में आयोजित किया गया था। प्रसिद्ध टेलीविजन और सिनेमा अभिनेत्री तितीशा तावड़े भी शाम का आकर्षण थीं।

संस्थान के पीठाधीश डॉ खिलेश्वर नाथ उर्फ तुकड़या बाबा मुख्य रुप से उपस्थित थे, जबकि पूर्व विधायक राजेंद्र जैन मुख्य अतिथि थे। पूर्व विधायक एड. संजय धोटे (राजुरा), नंदकिशोर शहरे (औरंगाबाद) व केतन तुरकर भी अतिथि के रुप में उपस्थित थे। प्रारंभ में अतिथियों ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर संत लहरी बाबा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। तुकड़या बाबा ने अतिथियों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट किया। ईश्वर सत्य हैं... से शुरु होकर, माड़े ने विभिन्न भक्ति गीत गाए, साथ ही लोकप्रिय गीत पिंगा गा पोरी... और नब्बे के दशक के लोकप्रिय हिंदी फिल्मी गीतों से समा बांधा।। लावणी साम्राज्ञी स्व.सुलोचना चव्हाण को श्रद्धांजलि के रुप में उनकी लावणी भी गायी। दर्शकों का काफी अच्छा प्रतिसाद रहा। जसराज जोशी ने प्रीत की लत..., रमता जोगी... और अन्य लोकप्रिय गाने गाए। अपने भावपूर्ण गायन से दिल जीत लिया और दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। सभी उम्र के लोगों, महिलाओं, लड़कियों, युवाओं ने शाम का आनंद लिया।

संस्थान के सचिव के.बी. बावनथडे, संजय तराल, एड. अनिल ठाकरे, गोपाल मते, रामकृष्ण वाघाडे, दीपक कुंदनानी, गोविंद मेश्राम, विजय सातपुडे, मनोहर बलवानी, आदि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफलता के लिए एड. बालकृष्ण खरकाटे, युवा मंच के विकास राजुरकर, जयंत खरकाटे, विजय बावनथड़े, आशीष कुरंभट्टी, महिला समिति के सदस्य व अन्य स्वयंसेवकों ने काम किया. संचालन संजय दानव व अरुण मते ने संयुक्त रुप से किया।

इस अवसर पर सर्वश्री राजेंद्र जैन, गोपाल बाबा, संजय धोटे, केतन तुरकर, नंदकिशोर सहारे, के.बी.बावनथडे, संजय तराड, रामकृष्ण वाघाडे, दीपक कुंदनानी, गोविंद मेश्राम, एड.अनिल ठाकरे, विजय सातपुडे, अपूर्व मेठी, रौनक ठाकूर, गोपाल मते, अरुण मते सहीत विश्वस्त मंडल व बहुसंख्येने भाविक भक्त उपस्थित थे।

संत लहरीबाबा के उपदेस आज भी प्रासांगिक - पूर्व विधायक जैन

बुलंद गोंदिया - संत लहरी आश्रम संस्थान (मध्यकाशी) कामठा में परम् पूज्य संत श्री जैरामदास उर्फ लहरीबाबा जन्मशताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित भव्य संगीत रजनी कें कार्यक्रम में मुख्य अतिथी के रुप मे पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन उपस्थित थे। पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने परम् पूज्य संत श्री लहरीबाबा की चरणो में शत शत नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। राजेंद्र जैन ने परम पुज्य संत तुकडो बाबा से आशिर्वाद लेकर तिर्थक्षेत्र मध्य काशी के सुंदर परिसर के बारे मे चर्चा की।

टिप्पर ने साइकिल सवार को उड़ाया घटनास्थल पर ही मौत

आक्रोशित नागरिकों ने किया चक्का जाम

बुलंद गोंदिया - गोंदिया से लगे ग्राम खमारी के गोंदिया आमगांव मार्ग पर 10 दिसंबर की शाम 6.30 से 7.00 बजे के दौरान गोंदिया से आमगांव की ओर जा रहे अज्ञात टिप्पर द्वारा कार्य से घर लौट रहे साइकिल सवार खमारी निवासी युवक को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस घटना में युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आक्रोशित नागरिकों ने रास्ता रोको आंदोलन किया। जिसके चलते मार्ग के दोनों ओर का यातायात बाधित हो गया तथा घटनास्थल पर तनावपूर्ण स्थिति निर्माण हो गई।

घटना की जानकारी गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने को मिलते ही तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के शव को शासकीय चिकित्सालय में भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवक का नाम राजेश ज्ञानस्वरुप लिल्हारे (35) ग्राम खमारी निवासी बताया जा रहा है।

आपदा प्रबंधन तंत्र की क्षमता निर्माण जरूरी

जानमाल के नुकसान को कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए - प्रधान सचिव गुप्ता

बुलंद गोंदिया - राज्य में इस वर्ष 2022 में मानसून अवधि के दौरान राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ-साथ जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने उचित समन्वय के साथ बाढ़ की स्थिति को संभालने में कामयाबी हासिल की। जिलाधिकारी कार्यालय में जिला नियंत्रण कक्ष के निरीक्षण के दौरान राज्य के प्रधान सचिव (आपदा प्रबंधन राहत एवं पुनर्वास) असीम गुप्ता ने कहा कि इसलिए आपदा प्रबंधन प्रणाली की भूमिका महत्वपूर्ण है और उक्त प्रणाली की क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी नयना गुंडे, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, अधीक्षक संजय धार्मिक, दीपक परिहार सहित खोज एवं बचाव दल के सदस्य मुख्य रुप से उपस्थित थे। जिलाधिकारी कार्यालय गोंदिया में प्रमुख सचिव गुप्ता ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गोंदिया के जिला कंट्रोल रुम का दौरा कर विभिन्न आपदाओं एवं आपदाओं की तैयारियों का अवलोकन किया.

इस बार उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय के आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष में जाकर बाढ़ की स्थिति में सुरक्षा एवं बचाव के लिए उपयोगी सामग्री का निरीक्षण कर गहन जानकारी प्राप्त की. साथ ही, नियंत्रण कक्ष को 24/7 कार्यरत रखते हुए खोज एवं बचाव दल के माध्यम से आपदा की स्थिति में जरुरतमंदों को तत्काल सहायता कैसे प्रदान की जाती है? यह जाना।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी नयना गुंडे ने बाढ़ की स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि जिले के 96 गांवों में बाढ़ का संभावित खतरा है। वैनगंगा और बाघ नदि के तट पर स्थित गोंदिया और तिरोडा तहसीलों के गाँव संभावित बाढ़ की चपेट में हैं। मध्य प्रदेश राज्य के शिवनी जिले में संजय सरोवर जलाशय से पानी छोड़े जाने से मानसून अवधि के दौरान बाढ़ का संभावित खतरा पैदा हो जाती है।

जिले में विभिन्न आपदाओं में आपदाओं की गंभीरता को कम करने तथा जन-जागरुकता कार्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, रंगारंग प्रशिक्षणों के माध्यम से जन-जागरुकता कार्यक्रमों, जन-जागरुकता कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, जन-जागरण के माध्यम से नागरिकों में जन-जागरुकता का प्रसार किया जा रहा है। प्रमुख सचिव गुप्ता ने बाढ़ की स्थिति के दौरान जिला आपदा प्रबंधन खोज एवं बचाव दल द्वारा की गई गतिविधियों, नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए किए गए उपायों और नाव, लाइफ जैकेट, लाइफबॉय, इमरजेंसी लाइट, ओबीएम मशीन, मेगाफोन, के बारे में जानकारी दी। बाढ़ की स्थिति में खोज एवं बचाव कार्य में उपयोगी सेटेलाइट ने घरेलू सामग्री से बने फोन एवं यलोटिंग डिवाइस जैसी सामग्री की जानकारी लेकर जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन खोज एवं बचाव दल की सराहना की।

भविष्य में ठंड बढ़ने गर्मी में शीत लहर एवं लू से होने वाली आपदाओं की स्थिति में जिला प्रशासन को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए योजना तैयार कर नागरिकों में उचित जागरुकता पैदा करनी चाहिए। साथ ही प्रमुख सचिव गुप्ता ने सुझाव दिया कि विभिन्न विभागों की सूचनाओं (डेटाबेस) को नई प्रणाली इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम के साथ-साथ विभिन्न आपदाओं में हुए नुकसान की जानकारी का उपयोग करते हुए अपडेट किया जाना चाहिए।

अलविद २०२२ : साहित्य मंडल की यादगार कवि-गोष्ठी एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

बुलंद गोंदिया - साहित्य मंडल की मासिक गोष्ठी की श्रंखला में 11 दिसम्बर को दोपहर 2 बजे से वर्ष 2022 की बिदाई हेतु अलविदा-2022 शीर्षक से शानदार एवं यादगार कवि-गोष्ठी का आयोजन मंडल के वरिष्ठ सदस्य एवं कवि प्रकाश मिश्रा के गणेश नगर स्थित निवास पर किया गया। जिसमें विशेष अतिथि के रुप में सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारी द.पू. मध्य रेलवे एवं कवि प्रमोद सोनी (भोपाल) उपस्थित थे। अध्यक्षता श्री राजस्थानी ब्राह्मण सभा ट्रस्ट बोर्ड के उपाध्यक्ष पं. बजरंगलाल शर्मा ने की। संचालन वरिष्ठ कवि रमेश शर्मा मंचासीन थे। आरंभ में अतिथि एवं उपस्थित कवियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजन किया। पश्चात कार्यक्रम अध्यक्ष बजरंगलाल शर्मा, अतिथि प्रमोद सोनी एवं संचालक रमेश शर्मा के साथ अन्य आमंत्रित कवियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इनके अलावा साहित्य मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी रमेश शर्मा, शशि तिवारी, छगन पंचे, निखिलेशसिंह यादव को श्रीमद भगवत गीता भेंट कर उनका सम्मान किया गया। साहित्य मंडल के सहसचिव जितेन्द्र तिवारी का मंडल को उनके द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृतिचिन्ह प्रदान कर अतिथियों के हाथों सम्मानित किया गया।

कवि-गोष्ठी का शुभारंभ वरिष्ठ कवि सुरेश बंजारा की प्रतिकात्मक रचनाओं से हुआ, जिसने आरंभ से ही गोष्ठी को ऊंचाई दी। अतिथि कवि प्रमोद सोनी के साथ ही सर्वश्री छगन पंचे छगन, रुपचंद जुम्हारे, निखिलेशसिंह यादव, सुरेन्द्र जगने, प्रकाश मिश्रा, शशि तिवारी, मनोज बोरकर मुसव्विर एवं रमेश शर्मा ने अपनी रचनाओं की यादगार प्रस्तुति की। इस प्रसंग पर अध्यक्षीय सम्बोधन में पं. बजरंग लाल शर्मा ने सभी कवियों को सराहा एवं ऐसे आयोजन आगामी दिनों में भी साहित्य मंडल द्वारा होने की आशा व्यक्त की। कार्यक्रम में ओमप्रकाश चुलेट, पं. कन्हैयालाल तिवारी, पं. विनोद अग्निहोत्री, द्वतुराज मिश्रा भी विशेष रुप से उपस्थित थे, जिनका स्वागत किया गया। आरंभिक संचालन संस्था संयोजक शशि तिवारी ने व कवि गोष्ठी का कुशल संचालन रमेश शर्मा ने किया। आभार सचिव मनोज एल जोशी ने माना। अल्पाहार के बाद कार्यक्रम समाप्त हुआ।

पानी टंकी चढ़े आंदोलनकारी किसान को प्रशासन ने रेस्क्यू कर उतारा नीचे

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कलपाथरी निवासी किसान पूरनलाल पारधी यह अपने खेत के पानदन रास्ते पर हुए अतिक्रमण हटाने की मांग प्रशासन से अनेकों बार की थी। किंतु अतिक्रमण नहीं हटाए जाने के चलते गत 18 दिनों से ग्राम की पानी की टंकी पर चढ़कर आंदोलन कर रहा था। जिसे जिला प्रशासन द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन कर मंगलवार 13 दिसंबर की दोपहर 1 बजे नीचे उतारा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कलपाथरी निवासी किसान पूरनलाल पारधी (45) के खेत में जाने वाले मार्ग पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण किए जाने के चलते उसे अपने खेत में जाने का मार्ग नहीं था। इस संदर्भ में अनेकों बार प्रशासन से अतिक्रमण पर कार्रवाई करने की मांग की थी। किंतु प्रशासन द्वारा इस और अनदेखी किए जाने के चलते किसान द्वारा आंदोलन का मार्ग अपनाते हुए 18 दिनों पूर्व ग्राम की पानी की टंकी पर चढ़कर आंदोलन कर रहा था। इस दौरान प्रशासन द्वारा उसे नीचे उतारने के अनेकों प्रयत्न किए गए किंतु जब तक अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं होती उसने नीचे नहीं आने का निर्णय दिया। जिसके चलते प्रशासन में भी काफी हड़कंप मचा हुआ था। आखिरकार जिला प्रशासन द्वारा जिला आपदा प्रबंधन विभाग, पुलिस विभाग व राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन कर 13 दिसंबर को दोपहर 1 बजे उसे सकुशल नीचे उतारा गया तथा आश्वासन दिया गया कि अतिक्रमण को जल्द ही हटाया जाएगा।

यात्रियों को ले जाने वाले वाहनों के दस्तावेजों की करवाए जांच उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी

बुलंद गोंदिया - जिले में बसें, काली और पीली टैक्सी, ऑटोरिक्शा चालक और यात्रियों को ले जाने वाले मालिक अपने वाहन के दस्तावेज, पंजीकरण प्रमाण पत्र, फिटनेस प्रमाण पत्र, लाइसेंस, बीमा प्रमाण पत्र, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र, ई। साथ ही उपप्रादेशिक परिवहन कार्यालय के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता की जांच करने की अपील उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी ने है। वैधता कार्यालय से संपर्क करके समाप्त दस्तावेजों को नवीनीकृत किया जाना चाहिए। साथ ही जिन वाहनों की उम्र खत्म हो चुकी है। ऐसे एक्सपायर वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाए। वाहन मालिक इस बात का ध्यान रखें कि सड़क परिवहन के लिए वाहनों का उपयोग उपरोक्तानुसार सभी दस्तावेज मान्य होने के बाद ही किया जायेगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी गोंदिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी लोग ध्यान दें कि कार्यालय के माध्यम से विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है और दोषी वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।